गुरु का स्थान ईश्वर से भी उँचा होता है– शारदा मणि त्रिपाठी

देवरिया।। गुरु का स्थान ईश्वर से भी उँचा होता है। भगवान भी इस पृथ्वी पर अवतार लेकर गुरु की महिमा का बखान किये है उनकी सेवा की है। महर्षि वेदव्यास जी ने महाभारत जैसे महाग्रन्थ की रचना कर उसे विश्व में अमर कर दिया है। यह कहना है अवकाश प्राप्त प्राचार्य श्री शारदा मणि त्रिपाठी का वह नगर के सरस्वती वरिष्ठ माध्यमिक विद्या मन्दिर देवरिया खास देवरिया के माधव सभागार में गुरु पूर्णिमा के अवसर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बच्चो को सम्बोधित कर रहे थे। अपने सम्बोधन मे उन्होंने कहा कि वेदव्यास जी का पूरा नाम कृष्ण द्वैपायन था उनके पिता महर्षि पराशर एवं माता का मत्स्यगंधा था जो आगे चलकर सत्यवती के नाम से महाराज शान्तनु की पत्नी बनी। उन्होने बताया कि हमारी सनातन संस्कृति में गुरु का बहुत महत्व है। गुरु वह होता है जो शिष्य को अन्धकार से प्रकाश की ओर ले जाता है। उन्होने कई श्लोको के माध्यम से छात्रों को गुरु की महिमा के बारे में बताया। छात्रों ने भी उनके सम्बोधन को बड़े ध्यान से सुना।

कार्यक्रम का आरम्भ सर्वप्रथम माँ सरस्वती की वन्दना से हुआ। तत्पश्चात मुख्य अतिथि श्री शारदा मणि त्रिपाठी एवं विद्यालय के उप प्रधानाचार्य श्री जगदीश प्रसाद ने महर्षि वेदव्यास के चित्र पर माल्यापर्ण एवं पुष्पार्चन किया अतिथि परिचय एवं कार्यक्रम की प्रस्तावना विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य श्री अक्षयवरपति त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम में आशीर्वचन एवं आभार उप प्रधानाचार्य श्री जगदीश प्रसाद ने किया। कार्यक्रम में आचार्य श्री विनोद मिश्र, चन्द्र प्रकाश सिंह , अमरेन्द्र उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में छात्र एवं आचार्य परिवार उपस्थित रहा।

प्रधानाचार्य